

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर

सृजनिका

मासिक पत्रिका



अनुक्रमणिका

1. राजभाषा कार्यान्वयन समिति	01
2. रचनात्मकता और नवाचार की उड़ान: निफ्ट ऑडिटोरियम में 'ऑपरेशन सिंदूर' का शानदार सत्र.....	02
3. परंपरा और बाज़ार का मिलन: निफ्ट गांधीनगर में 'दस्तकारी' उत्सव की सुनहरी झलकियां.....	07
4. नया सफर, नई उम्मीदें: निफ्ट गांधीनगर में 'GPTAD 2025-26' बैच का शानदार स्वागत...	12
5. भक्ति, सुर और असीम उल्लास: निफ्ट गांधीनगर में 'हरे कृष्ण' संगीतमय शाम आयोजन.....	14
6. लोकतंत्र के महाग्रंथ को नमन: निफ्ट गांधीनगर में 'संविधान दिवस' की गरिमामयी गूँज.....	17
7. गुजरात के उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी जी से निफ्ट गांधीनगर के निदेशक की शिष्टाचार भेंट.....	19
7. जड़ों की ओर वापसी: निफ्ट गांधीनगर में आशीष सत्यव्रत साहू की प्रेरणादायक मास्टरक्लास.....	20
8. सेवा और समर्पण: 'आनंदबा वृद्धाश्रम' में निफ्ट गांधीनगर की स्नेहिल भेंट.....	23
9. फैशन और डिजाइन की दुनिया के समाचार	27
10. शब्दकोश - नवम्बर 2025	30



राजभाषा कार्यान्वयन समिति

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।" संस्थान में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने और भारत सरकार की राजभाषा नीतियों के सुचारू रूप से कार्यान्वयन के लिए गठित हमारी राजभाषा कार्यान्वयन समिति:

नाम	पदनाम		नाम	पदनाम	
प्रो. (डॉ.) समीर सूद	परिसर निदेशक		श्री संदीप कुमार मोहर	सहायक प्राध्यापक एवं सी.सी. एफ.डी.	
प्रो. (डॉ.) प्रणव बोरा	प्राध्यापक, एवं संयुक्त निदेशक (प्रभारी)		श्री निलेश कुमार शिधपुरा	सह-प्राध्यापक, एफ.सी. एवं फैकल्टी इंचार्ज (संसाधन केंद्र)	
श्री मनीष भार्गव	सह-प्राध्यापक एवं सी.सी. टी.डी.		सुश्री सुमिता अग्रवाल	सहायक प्राध्यापक एवं फैकल्टी इंचार्ज (छात्रावास)	
सुश्री आरती सोलंकी	सह प्राध्यापक एवं सी.सी. डी.एफ.टी.		श्री सुनील कुमार	सह-प्राध्यापक, ए.डी. एवं एसडेक	
सुश्री जपजी कौर कोहली	सह प्राध्यापक एवं सी.सी. एफ.पी.		श्री रूजुल पटेल	लेखा अधिकारी	
डॉ. कृति धोलकिया	सह प्राध्यापक एवं सी.सी. एम.एफ.एम.		श्री चिराग सोलंकी	वरिष्ठ सहायक निदेशक	
डॉ. रंजीत कुमार	सहायक प्राध्यापक एवं सी.सी. ए.डी.		श्री नवीन गुहर	क्रय अधिकारी	++
डॉ. विशाल गुप्ता	सह प्राध्यापक एवं कैपस अकादमिक कोऑर्डिनेटर		डॉ. हरलीन साहनी	प्रोफेसर एवं सी.आई.सी.	++
श्री निलेशकुमार शिधपुरा	सहायक प्राध्यापक एवं सी.सी. एफ.सी.		श्री मनीष शर्मा	सहायक प्राध्यापक, ए.डी. एवं नोडल हिंदी अधिकारी	++
डॉ. संजीव जैन	प्रमुख संसाधन केंद्र		श्री गौरव बघेल	कनिष्ठ सहायक, संसाधन केन्द्र, राजभाषा अनुभाग एवं क्रय विभाग	

राजभाषा हिंदी: हमारी पहचान, हमारा सम्मान

रचनात्मकता और नवाचार की उड़ान

निफ्ट ऑडिटोरियम में 'ऑपरेशन सिंदूर' का शानदार सत्र



चित्र 1.1: सत्र की भव्य शुरुआत: 'वन्दे मातरम्' के दौरान राष्ट्रभक्ति और सम्मान की मुद्रा में निफ्ट परिवार

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) गांधीनगर का ऑडिटोरियम 7 नवंबर 2025 को देशभक्ति की ऊर्जा, युवाओं के उत्साह और राष्ट्र सेवा के संकल्प से गूँज उठा। अवसर था— भारतीय सेना के अदम्य साहस और हाल ही में चर्चा में रहे अभियान 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित एक अत्यंत विशेष और विचारोत्तेजक सत्र का आयोजन। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य निफ्ट के विद्यार्थियों को सशस्त्र बलों के गौरवशाली इतिहास से अवगत कराना और उन्हें देश के लिए अपना योगदान देने हेतु प्रेरित करना था।



चित्र 1.2: बाएँ: मुख्य अतिथि मेजर जनरल गौरव बग्गा जी का आगमन। दाएँ: निफ्ट निदेशक प्रो. (डॉ.) समीर सूद का प्रेरक संबोधन।

राष्ट्र सेवा और युवाओं की भूमिका:

सत्र की शुरुआत देश की रक्षा में सशस्त्र बलों के महत्व और राष्ट्र-निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी पर चर्चा के साथ हुई। 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से विद्यार्थियों को यह बताया गया कि कैसे अनुशासन, साहस और देशभक्ति के मूल्यों को अपनाकर वे देश की प्रगति में अपना अमूल्य योगदान दे सकते हैं। ऑडिटोरियम की रोशनी के बीच बैठे विद्यार्थी सेना के इस साहसिक विषय को समझने और उससे प्रेरणा लेने के लिए पूरी तरह से तैयार नज़र आ रहे थे।



चित्र 1.3: मेजर जनरल गौरव बग्गा जी पूरे जोश और हाव-भाव के साथ सशस्त्र बलों के शौर्य और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर प्रकाश डालते हुए

मेजर जनरल गौरव बग्गा जी का प्रेरक मार्गदर्शन:

इस आयोजन का सबसे मुख्य आकर्षण अतिथि वक्ता, मेजर जनरल गौरव बग्गा जी द्वारा दी गई प्रभावशाली प्रस्तुति रही। उन्होंने पूरे जोश और विशेषज्ञता के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' की रणनीतिक बारीकियों और भारतीय सेना में करियर की असीम संभावनाओं पर प्रकाश डाला। अपने व्यक्तिगत अनुभवों और सेना के साहसिक ऑपरेशन्स को साझा करते हुए, मेजर जनरल बग्गा ने युवाओं को सशस्त्र बलों से जुड़ने और देश के लिए कुछ कर गुज़रने का जज़्बा दिया। स्क्रीन पर दिखाई गई उनकी प्रस्तुतियों ने छात्रों के भीतर राष्ट्र-प्रेम की एक नई अलख जगाई।



चित्र 1.4: रणनीतिक प्रस्तुति के साथ विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते मेजर जनरल गौरव बग्गा जी

संवाद और प्रश्नोत्तरी:

विद्यार्थियों की उत्सुकता सत्र के दौरान विद्यार्थियों की भागीदारी और उनका उत्साह देखते ही बनता था। प्रस्तुति के बाद एक इंटरैक्टिव 'प्रश्नोत्तरी सत्र' (Q&A Session) का आयोजन किया गया। निफ्ट के युवा और जिज्ञासु छात्रों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने सवाल पूछे और यह जानने की कोशिश की कि वे सेना में कैसे शामिल हो सकते हैं और अपने पेशेवर कौशल का उपयोग देश की सुरक्षा में कैसे कर सकते हैं। मेजर जनरल बग्गा जी ने हर एक सवाल का बहुत ही सहजता और प्रेरणादायक तरीके से उत्तर दिया।



चित्र 1.5: प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान सेना और राष्ट्र सेवा के प्रति निफ्ट के विद्यार्थियों का भारी उत्साह और असीम ऊर्जा



चित्र 1.6: कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से देश की विविधता और कला को दर्शाती छात्राएं

"जब युवाओं के जुनून और राष्ट्रभक्ति को सही दिशा मिलती है, तो वे सशस्त्र बलों से जुड़कर देश की रक्षा और प्रगति में अपना सबसे बड़ा योगदान दे सकते हैं।"



चित्र 1.7: देशभक्ति और साहस का जज्बा: सत्र के दौरान जोश भर देने वाला एक शक्तिशाली क्षण



निष्कर्ष:

जैसे ही यह सत्र संपन्न हुआ, विद्यार्थियों के चेहरों पर देश के प्रति एक नई प्रेरणा, गर्व और विचारशीलता स्पष्ट देखी जा सकती थी। 7 नवंबर 2025 को आयोजित 'ऑपरेशन सिंदूर' का यह सत्र एक शानदार सफलता रहा, जिसने निपट समुदाय के दिलों में देशभक्ति की एक अमिट छाप छोड़ी है। यह इस बात का एक शक्तिशाली अनुस्मारक था कि राष्ट्र सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है, और हमारे युवा ही इस देश का सबसे उज्ज्वल भविष्य हैं।



चित्र 1.8: ऊपर: निदेशक महोदय द्वारा मेजर जनरल गौरव बग्गा जी का आत्मीय सम्मान।
नीचे: राष्ट्रभक्ति के इस सफल आयोजन का समापन करती एक यादगार समूह तस्वीर।

परंपरा और बाज़ार का मिलन

निफ्ट गांधीनगर में 'दस्तकारी' उत्सव की सुनहरी झलकियां



चित्र 2.1: कला और संस्कृति का उत्सव: निफ्ट गांधीनगर द्वारा आयोजित 'दस्तकारी' (हस्तशिल्प उत्सव) का आधिकारिक पोस्टर

फैशन केवल परिधानों का नाम नहीं है, बल्कि यह किसी भी राष्ट्र की संस्कृति, इतिहास और उसकी मिट्टी की सुगंध का सबसे जीवंत रूप है। भारत की इसी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक बाज़ार के साथ कदमताल कराने की एक बेहद खूबसूरत कोशिश निफ्ट गांधीनगर के परिसर में देखने को मिली। अवसर था— 'दस्तकारी' का। यह उत्सव देश के विभिन्न हिस्सों से आए हुनरमंद शिल्पकारों और निफ्ट के युवा डिज़ाइनरों के बीच ज्ञान, कला और आत्मीयता का एक विस्तृत मंच साबित हुआ।

++
++
++
++

रंग-बिरंगे स्टॉल और अद्भुत कलाकृतियों की छटा

'दस्तकारी' उत्सव के दौरान पूरा निफ्ट परिसर जैसे एक 'मिनी-भारत' में तब्दील हो गया था। परिसर में सजे रंग-बिरंगे स्टॉल्स पर नज़र दौड़ाते ही चमड़े की बारीक कारीगरी, हाथ से बुने सूती और रेशमी वस्त्र, ब्लॉक प्रिंटिंग, टेराकोटा और बांस से बनी कलाकृतियां बरबस ही ध्यान खींच रही थीं।



चित्र 2.2: निदेशक प्रो. (डॉ.) समीर सूद ने फीता काटकर 'दस्तकारी' प्रदर्शनी का विधिवत शुभारंभ किया।

सबसे दिलचस्प नज़ारा तब दिखा जब देश के अलग-अलग हिस्सों से आए कारीगरों ने सिर्फ अपने उत्पादों की प्रदर्शनी ही नहीं लगाई, बल्कि अपनी पीढ़ियों पुरानी कला को लोगों के सामने सजीव रूप में उकेरा भी। हथकरघे पर धागों को पिरोते इन कारीगरों को देखना अपने आप में एक जादुई अनुभव था।



चित्र 2.3: रंग-बिरंगे स्टॉल्स पर सजे भारतीय हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

परंपरा और समकालीन सोच का मिलन

निफ्ट की प्रतिष्ठित 'क्राफ्ट क्लस्टर' पहल का असली असर यहाँ साफ़ नज़र आ रहा था। हमारे युवा छात्र क्लासरूम की चारदीवारी से बाहर निकलकर इन ज़मीनी कारीगरों के पास बैठे और उनके काम की बारीकियाँ सीखीं।

छात्रों ने न केवल प्रदर्शनी की रूपरेखा सजाने में कारीगरों की मदद की, बल्कि वे इन शिल्पकारों को आज के बाज़ार की पसंद, रंगों के नए ट्रेंड्स और डिज़ाइन में किए जा सकने वाले बदलावों के बारे में भी बता रहे थे। यह एक ऐसा मंच बन गया जहाँ पीढ़ियों का तजुर्बा और आज की नई सोच आपस में हाथ मिला रहे थे।

'क्राफ्ट एंड कॉमर्स कॉन्फ्लुएंस' सेमिनार:

भविष्य की राह

इस तीन दिवसीय आयोजन को वैचारिक रूप से सशक्त बनाने के लिए फैशन मैनेजमेंट स्टडीज़ विभाग द्वारा एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया – "क्राफ्ट कॉमर्स कॉन्फ्लुएंस: बिज़नेस एक्सपेंशन इन क्राफ्ट सेक्टर"।

DEPARTMENT OF FASHION MANAGEMENT STUDIES
NATIONAL INSTITUTE OF FASHION TECHNOLOGY, GANDHINAGAR
cordially invites you to attend

दस्तकारी

Seminar
on
Craft Commerce Confluence: Business Expansion in Craft Sector

Date: 21st Nov 2025 Venue: FMS Department Time: 11:00am onwards

 Vaibhavi Hambardiker Founder Capital Letter 'S'	 Dr. Kruti Patel Founder & Director She & WE	 Prof. Dr. Sameer Sood Director NIIFT, Gandhinagar Seminar Chair	 Siddharth Patel Co-Founder & Chief Executive Officer at Digipple
--	--	--	---



चित्र 2.4: सेमिनार में मौजूद विशिष्ट अतिथि और 'शिल्प व वाणिज्य' विषय पर अपने विचार साझा करते विशेषज्ञ वक्ता।

सेमिनार की अध्यक्षता निदेशक प्रो. (डॉ.) समीर सूद ने की, और पैनल में वैभवी हम्बरदीकर (Capital Letter "S"), डॉ. कृति पटेल (She & WE) और सिद्धार्थ पटेल (Digipple) जैसे उद्योग विशेषज्ञ शामिल थे।

चर्चा का मुख्य बिंदु यह था कि कैसे हमारे कारीगर अपनी मूल कला और विरासत से समझौता किए बिना, ई-कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग का लाभ उठाकर अपने व्यवसाय को बढ़ा सकते हैं।



चित्र 2.5: सेमिनार में 'ई-पहचान कार्ड' और डिजिटल कॉमर्स पर चर्चा करते विशेषज्ञ, जिसे कारीगरों ने तन्मयता से सुना।

विशेषज्ञों ने स्क्रीन प्रस्तुतीकरण के माध्यम से कारीगरों को 'ई-पहचान कार्ड' जैसी सरकारी पहलों के लाभ भी विस्तार से समझाए। दर्शक दीर्घा में छात्रों के साथ-साथ शिल्पकारों की सक्रिय उपस्थिति ने इस चर्चा को और भी जीवंत बना दिया।



'वोकल फॉर लोकल' और हुनर का सम्मान

आयोजन के दौरान 'वोकल फॉर लोकल' का नारा ज़मीन पर सच होता दिखा। निदेशक महोदय और संकाय सदस्यों ने हर एक स्टॉल का दौरा किया, कारीगरों से उनकी समस्याओं पर बात की और उनकी कड़ी मेहनत की भरपूर सराहना की।



चित्र 2.6: शिल्पकारों और कारीगरों को स्मृति स्वरूप पौधे भेंट कर उनका सम्मान करते निदेशक महोदय।

इस प्रदर्शनी ने शिल्पकारों को न केवल अपने उत्पाद सीधे ग्राहकों तक पहुँचाने का एक बड़ा बाज़ार प्रदान किया, बल्कि उन्हें वह मंच भी दिया जिसके वे सच्चे हकदार हैं। 'दस्तकारी' ने हमारे छात्रों को ज़मीन से जोड़ा और यह सिखाया कि सच्चा और टिकाऊ डिज़ाइन वही है, जिसकी जड़ें अपनी मिट्टी में गहराई तक हों।



नया सफर, नई उम्मीदें

निफ्ट गांधीनगर में 'GPTAD 2025-26' बैच का शानदार स्वागत

कॉलेज का पहला दिन और एक नए सफर की शुरुआत... मन में ढेरों सवाल, आँखों में बड़े सपने और दिल में कुछ कर गुज़रने का ज़ज्बा। निफ्ट गांधीनगर के स्टूडियो में कुछ ऐसा ही खुशनुमा और उत्साह से भरा माहौल था, जब संस्थान ने 'गारमेंट प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी एंड अपैरल डिज़ाइन (GPTAD) 2025-26' बैच के नए विद्यार्थियों का बाहें फैलाकर स्वागत किया।

इस खास दिन की शुरुआत हमारी उस खूबसूरत भारतीय परंपरा के साथ हुई, जहाँ ज्ञान के प्रकाश से अज्ञान के अंधकार को मिटाने की कामना की जाती है।



चित्र 3.1: वरिष्ठ संकाय सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलित कर 'GPTAD 2025-26' बैच का विधिवत उद्घाटन किया गया।



हम सभी जानते हैं कि किसी भी नए संस्थान में पहली बार कदम रखते समय मन में थोड़ी सी घबराहट और हिचकिचाहट होती है। विद्यार्थियों की इसी घबराहट को दूर करने का ज़िम्मा हमारे शिक्षकों और कोर्स समन्वयकों ने बहुत ही खूबसूरती से निभाया। कक्षा के बेहद आत्मीय और जीवंत माहौल में, शिक्षकों ने नए चेहरों से खुलकर बात की।



चित्र 3.2: नए विद्यार्थियों से संवाद करते और उन्हें निफ्ट की रचनात्मक कार्य-संस्कृति से अवगत कराते शिक्षकगण।

इस 'ओरिएंटेशन' के दौरान उन्हें सिर्फ निफ्ट की रचनात्मक कार्य-संस्कृति ही नहीं समझाई गई, बल्कि परिधान निर्माण की बारीकियों और डिज़ाइन की दुनिया के वे गुर भी साझा किए गए जो शायद किताबों में नहीं मिलते।

विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें हमेशा लीक से हटकर सोचने और अपनी रचनात्मक सीमाओं को लगातार बढ़ाते रहने के लिए प्रेरित किया गया। तस्वीरों में सामने बैठे विद्यार्थियों की आँखों की चमक और तन्मयता साफ़ बता रही थी कि वे इस नए सफर के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इसी बीच, संकाय सदस्यों ने भी एक-दूसरे को पुष्पगुच्छ भेंट कर इस नई शुरुआत का जश्न मनाया और छात्रों का हौसला बढ़ाया।

यह दिन इन युवा विद्यार्थियों के लिए उनके सपनों की पहली उड़ान तो था ही, साथ ही पूरे निफ्ट परिवार के लिए भी एक ताज़ा ऊर्जा लेकर आया। निफ्ट गांधीनगर परिवार GPTAD 2025-26 बैच के सभी विद्यार्थियों का इस रचनात्मक प्रांगण में दिल से स्वागत करता है।



चित्र 3.3: दीप प्रज्वलन और पुष्पगुच्छ भेंट कर इस नए शैक्षणिक सत्र के लिए एक-दूसरे का उत्साहवर्धन करते संकाय सदस्य।

भक्ति, सुर और असीम उल्लास

निफ्ट गांधीनगर में 'हरे कृष्ण' संगीतमय शाम

अकादमिक व्यस्तताओं और डिज़ाइन की नित-नई चुनौतियों के बीच, निफ्ट गांधीनगर के प्रांगण में एक ऐसी शाम गुज़री, जो पूरी तरह से रूहानी सुकून और सकारात्मक ऊर्जा के नाम रही। कैंपस में आयोजित 'हरे कृष्ण' संगीतमय कॉन्सर्ट ने पूरे माहौल को एक दिव्य आभा से भर दिया।



चित्र 4.1: परंपरा और आधुनिकता का संगम: 'हरे कृष्ण' बैंड द्वारा प्रस्तुत मंत्रमुग्ध कर देने वाला संगीतमय कॉन्सर्ट।

जब सुरों में ढल गई भक्ति

कॉन्सर्ट की सबसे बड़ी खूबी थी संगीत की वह जुगलबंदी, जिसे हर कोई बस सुनता ही रह गया। मंच पर कलाकारों ने जब आधुनिक वाद्ययंत्रों (जैसे एकोस्टिक गिटार) और पारंपरिक वाद्ययंत्रों (जैसे मृदंग और करताल) का अद्भुत तालमेल बिठाया, तो पूरा सेंटर लॉन भक्ति के सुरों में डूब गया। संगीत की यह लय श्रोताओं को तनाव की दुनिया से दूर एक अलग ही संगीतमय लोक में ले गई।



HARE KRISHNA MUSICAL CONCERT

@NIFT GANDHINAGAR



चित्र 4.2: भक्ति की मस्ती में झूमते और संगीत का आनंद लेते निफ्ट के विद्यार्थी।

ताल पर थिरकता निफ्ट परिवार

समारोह का सबसे जीवंत पहलू हमारे विद्यार्थियों का वह जोश था, जिसे देख कोई भी खुद को रोक न सका। जैसे ही संकीर्तन की गति बढ़ी, परिसर एक बड़े 'म्यूजिकल स्ट्रेस-बस्टर' में बदल गया। विद्यार्थी अपनी सीटों से उठकर हाथों को ऊपर उठाकर झूमने लगे और पूरा माहौल तालियों की गड़गड़ाहट और मुस्कराहटों से भर गया।



आभार और सम्मान का भाव

कार्यक्रम के अंत में, निफ्ट गांधीनगर के निदेशक प्रो. (डॉ.) समीर सूद और वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने मंच पर आकर अतिथि कलाकारों का दिल से आभार व्यक्त किया। बैंड के सदस्यों को स्मृति चिह्न और पौधे भेंट कर संस्थान की ओर से उनके इस ऊर्जावान प्रदर्शन के लिए कृतज्ञता जताई गई।



चित्र 4.3: अतिथि कलाकारों का आत्मीय स्वागत करते निफ्ट गांधीनगर के निदेशक प्रो. (डॉ.) समीर सूद।



चित्र 4.4: कॉन्सर्ट के समापन पर एक यादगार समूह चित्र।

'हरे कृष्ण' की यह संगीतमय संध्या विद्यार्थियों को उनकी जड़ों और भारतीय आध्यात्मिक संगीत की शक्ति से जोड़ने का एक सुंदर माध्यम बनी। संगीत, नृत्य और असीम सकारात्मकता से भरी यह शाम, निफ्ट की सुनहरी यादों के पन्नों में हमेशा एक बेहद सुकून भरे अध्याय की तरह दर्ज रहेगी।

लोकतंत्र के महाग्रंथ को नमन

निफ्ट गांधीनगर में 'संविधान दिवस' की गरिमामयी गूँज

26 नवंबर का दिन निफ्ट गांधीनगर के प्रांगण में केवल एक तारीख नहीं थी, बल्कि यह हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति गहरी आस्था और सम्मान व्यक्त करने का एक भव्य अवसर था। हमारा संविधान केवल नियमों की एक किताब नहीं, बल्कि उस सोच का प्रतिबिंब है जिसने हमें एक सशक्त और संप्रभु राष्ट्र के रूप में पहचान दी है।



चित्र 5.1: निफ्ट परिवार ने एकजुट होकर भारत के संविधान की 'प्रस्तावना' का सामूहिक वाचन किया।

न्याय, स्वतंत्रता और समानता का संकल्प

समारोह का सबसे प्रेरणादायक क्षण वह था जब संस्थान के निदेशक, प्रो. (डॉ.) समीर सूद के नेतृत्व में पूरा निफ्ट परिवार—संकाय सदस्य, अधिकारी और विद्यार्थी—एक साथ खड़ा हुआ। सभी ने हाथ आगे बढ़ाकर भारत के संविधान की 'प्रस्तावना' को सामूहिक स्वर में पढ़ा। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के इन शब्दों ने पूरे वातावरण में एक अनोखी गंभीरता और राष्ट्रीय गौरव का संचार कर दिया।



चित्र 5.2: संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक वाचन के साथ लोकतंत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते संकाय एवं कर्मचारी।

'रन फॉर राइट्स': जागरूकता की दौड़

संविधान दिवस को केवल औपचारिक कार्यक्रमों तक सीमित न रखते हुए, इस वर्ष 'रन फॉर राइट्स' नाम से एक मिनी-मैराथन का आयोजन किया गया। हाथ में बैनर लिए, उत्साह से भरे विद्यार्थियों और शिक्षकों ने परिसर में दौड़ लगाई। यह दौड़ केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए नहीं थी, बल्कि अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता फैलाने का एक जीवंत संदेश थी।



चित्र 5.3: 'रन फॉर राइट्स' मिनी-मैराथन में पूरे जोश के साथ दौड़ते निफ्ट गांधीनगर के संकाय सदस्य और विद्यार्थी।

कर्तव्य का बोध

विशेष सत्रों के दौरान विद्यार्थियों को यह याद दिलाया गया कि संविधान हमें अधिकार तो देता है, लेकिन साथ ही राष्ट्र के प्रति हमारे 'मौलिक कर्तव्यों' की भी जिम्मेदारी सौंपता है। एक जिम्मेदार भविष्य के डिज़ाइनर के रूप में, यहाँ छात्रों को सिखाया गया कि कैसे वे अपनी कला के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं और देश की एकता को अक्षुण्ण रख सकते हैं।

निफ्ट गांधीनगर में आयोजित यह 'संविधान दिवस' समारोह हम सभी के लिए एक शक्तिशाली अनुस्मारक था कि हमारा संविधान ही हमारे राष्ट्र की असली आत्मा है। सामूहिक शपथ के साथ लिया गया संकल्प संस्थान के हर सदस्य को एक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बने रहने की प्रेरणा देता रहेगा।

गुजरात के उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी जी से निफ्ट गांधीनगर के निदेशक की शिष्टाचार भेंट

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) गांधीनगर के निदेशक, प्रो. (डॉ.) समीर सूद ने हाल ही में गुजरात सरकार में माननीय मंत्री श्री हर्ष संघवी जी से एक अत्यंत आत्मीय शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात न केवल औपचारिक थी, बल्कि राज्य में डिज़ाइन शिक्षा और कौशल विकास के भविष्य को लेकर बेहद सकारात्मक रही।



चित्र 6.1: गुजरात के माननीय मंत्री श्री हर्ष संघवी जी के साथ शिष्टाचार भेंट करते निफ्ट गांधीनगर के निदेशक प्रो. (डॉ.) समीर सूद।

इस भेंट के दौरान निदेशक महोदय ने निफ्ट गांधीनगर की हालिया शैक्षणिक व सांस्कृतिक ++
उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण साझा किया। चर्चा के केंद्र में विशेष रूप से डिज़ाइन व वस्त्र ++
उद्योग में संस्थान के बढ़ते योगदान और गुजरात के युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने की ++
रणनीतियों पर सार्थक चर्चा हुई। ++

माननीय मंत्री जी ने निफ्ट गांधीनगर द्वारा राज्य की कला, शिल्प व डिज़ाइन विरासत को वैश्विक पटल पर ले जाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की मुक्त कंठ से सराहना की। यह गरिमामयी भेंट निफ्ट गांधीनगर और राज्य सरकार के बीच एक मज़बूत सेतु का काम करेगी, जो आने वाले समय में डिज़ाइन शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी।

जड़ों की ओर वापसी

निफ्ट गांधीनगर में आशीष सत्यव्रत साहू की प्रेरणादायक मास्टरक्लास

डिजाइन की दुनिया में अक्सर हम चकाचौंध के पीछे भागते हैं, लेकिन निफ्ट गांधीनगर के मंच पर जो मास्टरक्लास हुई, उसने छात्रों को एक अलग नज़रिए से सोचने पर मजबूर कर दिया। संस्थान के गौरवशाली पूर्व छात्र और 'खादीवाला डिजाइनर' व 'जोहारग्राम' के संस्थापक, आशीष सत्यव्रत साहू ने जब अपनी सफलता की कहानी साझा की, तो ऑडिटोरियम में शांति और उत्सुकता दोनों ही स्पष्ट अनुभव किए जा सकते थे।



चित्र 7.1: मंच से छात्रों को संबोधित करते हुए आशीष सत्यव्रत साहू।

जब परंपरा बनी पहचान

आशीष की बातचीत का केंद्र था—'क्षेत्रीय शिल्पकला'। उन्होंने बहुत ही सरल शब्दों में छात्रों को समझाया कि कैसे वे अपने आसपास की कला, बुनकरों के हुनर और स्थानीय संसाधनों को अपनाकर न केवल एक ग्लोबल ब्रांड बना सकते हैं, बल्कि अपनी मिट्टी का कर्ज भी उतार सकते हैं। उनके ब्रांड 'जोहारग्राम' के माध्यम से झारखंड की संस्कृति को फैशन के नक्शे पर लाने का उनका सफर वाकई हर छात्र के लिए एक मिसाल है।





चित्र 7.2: आशीष साहू द्वारा डिज़ाइन के बारीकियों को समझाते हुए और विद्यार्थियों के सवालों के जवाब देते हुए एक झलक।



निफ्ट का आधार और खुद की पहचान

आशीष ने पूरी कृतज्ञता के साथ अपने 'निफ्ट एजुकेशन' को याद किया और छात्रों को एक बड़ी सीख दी। उन्होंने कहा, "ट्रेंड्स के पीछे भागना आसान है, लेकिन एक डिजाइनर के रूप में आपकी ताकत आपकी 'यूनिक आइडेंटिटी' है। अपनी मेहनत पर भरोसा रखिए।"

"क्षेत्रीय शिल्पकला हमारी ताकत है। अपनी जड़ों से जुड़ें और निफ्ट की शिक्षा का उपयोग कर अपनी एक अनूठी पहचान बनाएँ।" – आशीष सत्यव्रत साहू



चित्र 7.3: आशीष साहू को स्मृति चिह्न भेंट करते निफ्ट परिवार के सदस्य।

एक यादगार मुलाकात

मास्टरक्लास का समापन एक सामूहिक तस्वीर के साथ हुआ, जिसमें हर चेहरा नई ऊर्जा से चमक रहा था। निफ्ट के छात्रों के लिए यह सिर्फ एक लेक्चर नहीं था, बल्कि भविष्य के लिए एक रोडमैप था। आशीष साहू का अपने ही संस्थान के मंच पर लौटकर नई पीढ़ी को तराशना, इस बात का प्रमाण है कि निफ्ट गांधीनगर के छात्र दुनिया में कहीं भी जाएं, अपनी जड़ों और संस्थान की सीख को हमेशा साथ लेकर चलते हैं।

सेवा और समर्पण

'आनंदबा वृद्धाश्रम' में निफ्ट गांधीनगर की स्नेहिल भेंट

शिक्षा का असली अर्थ केवल किताबी ज्ञान हासिल करना नहीं, बल्कि एक ऐसा संवेदनशील इंसान बनना है जो समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को समझे। इसी सोच के साथ, 17 नवंबर 2025 को निफ्ट गांधीनगर के अधिकारियों और संकाय सदस्यों की एक टीम ने 'आनंदबा वृद्धाश्रम' का दौरा किया। यह दौरा केवल एक औपचारिक यात्रा नहीं थी, बल्कि समाज के उस वर्ग के साथ खुशियाँ साझा करने का एक छोटा सा प्रयास था, जिन्हें प्रेम और अपनेपन की सबसे अधिक आवश्यकता होती है।



चित्र 8.1: समाज के प्रति अपने दायित्वों को निभाने के लिए 'आनंदबा वृद्धाश्रम' पहुँची निफ्ट गांधीनगर की टीम।

तैयारी और स्नेह का उपहार

इस नेक पहल के लिए निफ्ट टीम ने पहले से ही पूरी तैयारी कर रखी थी। ठंड के मौसम को देखते हुए टीम ने बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से गरम कंबल, ताजे फल, भोजन के पैकेट और दैनिक जीवन में काम आने वाली अन्य आवश्यक वस्तुओं का प्रबंध किया। टीम के सदस्यों ने पूरे समर्पण के साथ इन सामग्रियों को पैक किया, ताकि यह भेंट मात्र सामग्री न रहकर उनके प्रति सम्मान का प्रतीक बने।



चित्र 8.2: वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के लिए आवश्यक सामग्री और गरम कंबल तैयार करते निफ्ट के सदस्य।

हृदयस्पर्शी मुलाकात और आत्मीयता

वृद्धाश्रम पहुँचते ही वहाँ रह रहे बुजुर्गों ने निफ्ट टीम का स्वागत अपनी स्नेहिल मुस्कान के साथ किया। टीम के सदस्यों ने आश्रम के हर निवासी के पास जाकर उनका हाल-चाल जाना। कुछ भावुक क्षण तब आए जब विद्यार्थियों और शिक्षकों ने वृद्ध माताओं-पिताओं के पास बैठकर उनसे बातें कीं और उनके हाथों में अपना हाथ रखा। इन छोटी-छोटी मुलाकातों ने आश्रम के वातावरण को आत्मीयता और सुकून से भर दिया।



चित्र 8.3: टीम के सदस्यों ने बुजुर्गों को कंबल ओढ़ाए और उनसे आत्मीय बातें कर उन्हें अपनापन महसूस कराया।

प्रो. (डॉ.) समीर सूद ने आश्रम के उस छोटे से 'जीव-मित्र' (पिल्ले) को भी बड़े प्यार से अपनी गोद में उठाया, जिसने आश्रम के वातावरण में एक और मुस्कान जोड़ दी। यह पल दिखाता है कि निफ्ट परिवार की संवेदनशीलता केवल मनुष्यों तक ही नहीं, बल्कि हर जीव के प्रति है।



चित्र 8.4: आश्रम परिसर में एक छोटे पिल्ले को प्यार से सहलाते निफ्ट निदेशक प्रो. (डॉ.) समीर सूद ।

एकजुटता और आशीर्वाद का क्षण

सामग्री वितरण के बाद, निफ्ट टीम ने आश्रम के सभी निवासियों के साथ एक खूबसूरत 'समूह तस्वीर' खिंचवाई। यह तस्वीर महज़ एक याद नहीं, बल्कि दो पीढ़ियों के बीच स्नेह, सम्मान और कृतज्ञता का एक सजीव दस्तावेज़ है। बुजुर्गों ने निफ्ट गांधीनगर परिवार को दिल से अपना आशीर्वाद दिया, जो पूरी टीम के लिए इस दिन की सबसे बड़ी उपलब्धि रही।



चित्र 8.5: निफ्ट परिवार और आनंदबा वृद्धाश्रम के निवासी एक साथ।



"सच्चा सुख लेने में नहीं, बल्कि देने में है। आश्रम के इन बुजुर्गों की मुस्कान ने आज हमें जीवन का सबसे बड़ा सुकून दिया है।"



चित्र 8.6: डॉ. जागृति मिश्रा (प्रोफेसर, निफ्ट) द्वारा आनंदबा वृद्धाश्रम के निवासी को स्नेहपूर्ण भेंट।"

17 नवंबर 2025 की यह दोपहर निफ्ट गांधीनगर की टीम के लिए एक गहरा भावनात्मक अनुभव रही। 'आनंदबा वृद्धाश्रम' की इस यात्रा ने यह साबित कर दिया कि निफ्ट के लिए डिज़ाइन की दुनिया को सुंदर बनाने के साथ-साथ, मानवीय रिश्तों और समाज को सुंदर बनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।



फैशन और डिजाईन की दुनिया के समाचार

अंतरराष्ट्रीय समाचार

- जुमेराह × बौगेसा लाइफस्टाइल कैप्सूल (6 नवंबर) जुमेराह होटल समूह ने फैशन ब्रांड बौगेसा के साथ 'जुमेराह हेरिटेज क्लब' नामक अपना पहला लाइफस्टाइल कलेक्शन पेश किया। यह लिमिटेड-एडिशन संग्रह 6 नवंबर से विशेष रूप से बौगेसा.कॉम पर उपलब्ध हुआ।
- पोलो राल्फ लॉरेन × TOPA कैप्सूल कलेक्शन (18 नवंबर) राल्फ लॉरेन ने अपने 'आर्टिस्ट इन रेजिडेंस' कार्यक्रम के अंतर्गत मूल अमेरिकी कलाकारों के समूह TOPA के साथ एक सीमित-संस्करण कैप्सूल लॉन्च किया। यह कलेक्शन 18 नवंबर को उत्तरी अमेरिका में और 20 नवंबर को वैश्विक स्तर पर बिक्री के लिए उपलब्ध हुआ।

ई-कॉमर्स और रिटेल टेक

- प्वाइंटएआई (PointAI) की ₹47 करोड़ फंडिंग (नवंबर प्रारंभ) नोएडा स्थित डीपटेक स्टार्टअप प्वाइंटAI (पूर्व नाम Try ND Buy) ने प्री-सीरीज ए राउंड में लगभग ₹47 करोड़ (लगभग US\$ 5.3 मिलियन) जुटाए। कंपनी एआई-संचालित वर्चुअल ट्राई-ऑन सुविधा प्रदान करती है, जिससे ग्राहक ऑनलाइन कपड़े पहनकर देख सकते हैं। इस फंडिंग का नेतृत्व याली कैपिटल, लिप-बू तन और ट्रेमिस कैपिटल ने किया।
- मित्रा ग्लैमस्ट्रीम फेस्ट 2025 (16 नवंबर) प्रमुख फैशन-ब्यूटी प्लेटफॉर्म मित्रा ने मुंबई के एमएमआरडीए ग्राउंड्स पर 'ग्लैमस्ट्रीम फेस्ट' का आयोजन किया - जो भारत के पहले ऐसे आयोजनों में से एक है, जहाँ फैशन, ब्यूटी और संगीत का पॉप-कल्चर संगम देखने को मिला।



भारतीय समाचार

- **कोरस मुंबई फ्लैगशिप स्टोर (6 नवंबर):** मूनरे और चानक्या इंटरनेशनल से विकसित बहु-विषयक एटेलियर 'कोरस' ने मुंबई के काला घोड़ा क्षेत्र में अपना तीन-मंजिला फ्लैगशिप स्टोर खोला। यह स्थान रेडी-टू-वियर, वेलनेस, होम, कैफे और कॉउचर को एक साथ लाता है। स्टोर ने 'अदर वर्ल्ड्स' शीर्षक से अपना ऑटम/विंटर 2025 कलेक्शन भी प्रदर्शित किया।
- **निमित्त की मुंबई प्रदर्शनी (30 अक्टूबर - 1 नवंबर):** सस्टेनेबल लग्जरी लाइफस्टाइल ब्रांड 'निमित्त' ने महालक्ष्मी स्थित एबाका स्टोर में 'द इल्यूजन एडिट' कलेक्शन की प्रदर्शनी लगाई। इस संग्रह में कॉटन मल, हैंडवॉवन चंदेरी और फाइन लिनन के परिधान शामिल थे, जिनमें चिकनकारी, कंथा, एप्लिक और ब्लॉक प्रिंटिंग जैसी पारंपरिक तकनीकों का उपयोग किया गया।
- **स्निच × बिस्मिल सहयोग (नवंबर मध्य):** भारतीय स्ट्रीटवियर ब्रांड एसएनआईच ने सूफी-प्रेरित कलाकार बिस्मिल के साथ मिलकर एक लिमिटेड-एडिशन कलेक्शन लॉन्च किया, जिसमें समकालीन कट्स को आध्यात्मिक मोटिफ्स और कढ़ाई के साथ मिश्रित किया गया।
- **ओनली × लेनीज कलेक्टिव (12 नवंबर):** एपरल ब्रांड 'ओनली' और कोरियाई ब्यूटी ब्रांड 'लेनीज' ने 'द वाइब शिफ्ट' नामक एक जेन-ज़ी-केंद्रित कलेक्शन लॉन्च किया, जो 12 नवंबर को ऑनलाइन और भौतिक स्टोरों पर उपलब्ध हुआ।
- **दस्तकार गैंड हैंडलूम मेला (6-17 नवंबर)** दिल्ली के नेचर बाजार, छतरपुर में 80 से अधिक बुनकरों और कारीगरों की भागीदारी के साथ यह मेला आयोजित किया गया। इसमें बनारसी सिल्क, तसर, लिनन, इकत, जामदानी, खादी, कांजीवरम, बंधनी, कंथा एम्ब्रॉयडरी आदि का प्रदर्शन और विक्रय किया गया। 8-9 व 15-16 नवंबर को 'चरखा पर सूत कातना' कार्यशालाएँ भी आयोजित हुईं।
- **आईआईटीएफ 2025 में हैंडलूम-हस्तशिल्प पवेलियन (14-27 नवंबर)** नई दिल्ली के भारत मंडपम (हॉल नं. 5) में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (IITF) के अंतर्गत 'वस्त्र कला: भारत की विरासत' थीम पर एक विशेष प्रदर्शनी-सह-बिक्री का आयोजन किया गया। 18 नवंबर को केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने इसका उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में 29 राज्यों के 200 स्टॉल्स और 53 अद्वितीय शिल्पों को प्रदर्शित किया गया, जिसमें उत्तर से बनारसी बुनाई, दक्षिण से रेशम एवं धातु शिल्प, पूर्व से ओडिशा-बंगाल की बुनाई, तथा पश्चिम से मिरर वर्क और नक्काशीदार लकड़ी शामिल थीं।

ज्वेलरी और टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी

- **लाला जुगल किशोर ज्वैलर्स - 'नायाब' लाइन (नवंबर)** पारंपरिक आभूषण ब्रांड ने त्योहारी सीजन के लिए अपनी अवधी-शैली की 'नायाब' लाइन लॉन्च की। इस अभियान को डिजिटल, आउटडोर और इन-स्टोर माध्यमों से चलाया गया, जिसका उद्देश्य प्रमुख खरीदारी अवधि में स्टोर विजिट बढ़ाना था।
- **मोई ज्वैलरी - 'द कलेक्टिबल्स' संग्रह (अक्टूबर-नवंबर)** मोई ज्वैलरी ने हैदराबाद के 'थ्योरी ऑफ एवरीथिंग' स्थान पर 'द कलेक्टिबल्स' नामक अपना विशेष संग्रह प्रस्तुत किया। इसमें ईशा अंबानी द्वारा 2025 मेट गाला में पहने गए ब्रोच, हसली/टॉर्क नेकलेस, अकोटा इयरिंग्स और कछुआ-प्रेरित आभूषणों की आधुनिक व्याख्याएँ शामिल थीं।
- **डोर्नबिर्न ग्लोबल फाइबर कॉन्फ्रेंस (GFC) एशिया (18 नवंबर)** डोर्नबिर्न GFC ने पहली बार एशिया में अपना सम्मेलन मुंबई में आयोजित किया। इस एक-दिवसीय कार्यक्रम में सस्टेनेबल फाइबर, इको-फ्रेंडली मैन्युफैक्चरिंग और सर्कुलर टेक्सटाइल्स पर नवीनतम शोध प्रस्तुत किए गए।
- **लेनज़िंग × ओशनसेफ साझेदारी (नवंबर प्रारंभ)** लेनज़िंग ग्रुप और स्विस् मटेरियल इनोवेटर ओशनसेफ ने उच्च-प्रदर्शन वाले सस्टेनेबल यार्न के विकास के लिए सहयोग की घोषणा की। यह साझेदारी स्पोर्ट्सवियर और टेक्निकल टेक्सटाइल्स को सर्कुलर एवं समुद्र-अनुकूल इनोवेशन के माध्यम से नया स्वरूप देने के उद्देश्य से बनाई गई है।



शब्दकोश - नवम्बर 2025

शब्द	वाक्य प्रयोग	शब्द	वाक्य प्रयोग
बाना	बाना बुनाई की दिशा और दृढ़ता को निर्धारित करता है।	ताना	बाना और ताना मिलकर ही वस्त्र की आत्मा रचते हैं।
Warp	Warp determines the direction and firmness of the weave.	Weft	Warp and weft together create the soul of the fabric.
संतुलन	ताना और बाना का संतुलन ही सुंदरता की जड़ है।	अनुरूपण	डिज़ाइन की अवधारणाओं को परखने के लिए तीव्र अनुरूपण आवश्यक है।
Harmony	The harmony of warp and weft is the root of beauty.	Prototyping	Rapid prototyping is necessary to test design concepts.
असफलता	असफलताएँ बस अनुरूपण के अगले संस्करण हैं।	उत्कृष्टता	हमारा लक्ष्य शिक्षा के हर क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करना है।
Failure	Failures are just the next version of prototyping.	Excellence	Our goal is to achieve excellence in every field of education.
आदत	उत्कृष्टता कोई क्रिया नहीं है, यह एक आदत है।	मानदंड	परियोजना के मूल्यांकन के लिए कठोर मानदंड निर्धारित किए गए हैं।
Habit	Excellence is not an act, it is a habit.	Criterion	Strict criteria have been set for project evaluation.
मूल्यवान	मूल्यवान बनने में ही सफलता का मानदंड छुपा है।	संवर्धन	कर्मचारियों के कौशल संवर्धन के लिए नए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।
Valuable	The criterion for success lies in becoming valuable.	Promotion	New training programs have been initiated for employee skill promotion.
सशक्तिकरण	ज्ञान का संवर्धन स्वयं को और दूसरों को सशक्त बनाने का सबसे अच्छा तरीका है।	उपयोगिता	किसी भी उत्पाद के डिज़ाइन की सुंदरता के साथ-साथ उसकी उपयोगिता भी महत्वपूर्ण है।
Empowerment	The promotion of knowledge is the best way to empower oneself and others.	Utility	Along with the beauty of a product's design, its utility is also important.
सौंदर्य	सुंदरता कार्य के बिना व्यर्थ है।	संवर्धित वास्तविकता	फैशन प्रस्तुतियों में संवर्धित वास्तविकता का उपयोग भविष्य की आवश्यकता है।
Beauty	Beauty without utility is vain.	Augmented Reality	The use of Augmented Reality in fashion presentations is the future necessity.

शब्द	वाक्य प्रयोग	शब्द	वाक्य प्रयोग
मानवीय मूल्य	तकनीक हमारी दुनिया को संवर्धित करती है, हमारे मानवीय मूल्य को नहीं।	अत्याधुनिक	संस्थान में वस्त्र विश्लेषण के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ स्थापित हैं।
Human Value	Technology augments our world, not our human value.	State-of-the-Art	State-of-the-art laboratories for textile analysis are established in the institute.
ज्ञान	अत्याधुनिक तकनीक कल पुरानी हो जाएगी, लेकिन ज्ञान हमेशा प्रासंगिक रहेगा।	संगठन संरचना	दक्षता सुनिश्चित करने के लिए संगठन संरचना को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाना चाहिए।
Knowledge	State-of-the-art technology will be outdated tomorrow, but knowledge will always remain relevant.	Organizational Structure	The organizational structure must be clearly defined to ensure efficiency.
निर्देश	संगठन संरचना वह है जो आप लोगों से करने के लिए कहते हैं।	परिचालन	संस्थान का दैनिक परिचालन निर्बाध रूप से चल रहा है, जिसका प्रबंधन आवश्यक है।
Direction	The organizational structure is what you tell people to do.	Operation	The daily operation of the institute is running smoothly, which requires management.
कुशलता	कुशल परिचालन कम संसाधनों से अधिक मूल्य पैदा करता है।	मानकीकरण	शैक्षणिक प्रक्रियाओं में मानकीकरण से गुणवत्ता सुनिश्चित होती है।
Efficiency	Efficient operation creates more value with fewer resources.	Standardization	Standardization in academic processes ensures quality.
नवाचार	मानकीकरण एक नींव है जिसके ऊपर नवाचार का निर्माण होता है।	प्रौद्योगिकी हस्तांतरण	उद्योग-संस्थान सहयोग के माध्यम से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को बढ़ावा दिया जाता है।
Innovation	Standardization is a foundation upon which innovation is built.	Technology Transfer	Technology transfer is promoted through industry-institute collaboration.
सभ्यता	ज्ञान का हस्तांतरण ही सभ्यता की प्रगति का आधार है।	उत्पादन श्रृंखला	वस्त्र उद्योग में कुशल उत्पादन श्रृंखला प्रबंधन से लागत कम होती है।
Civilization	The transfer of knowledge is the basis of the progress of civilization.	Supply Chain	Efficient supply chain management in the textile industry reduces costs.
प्रतिस्पर्धा	उत्पादन श्रृंखला की दक्षता ही प्रतिस्पर्धा में सफलता दिलाती है।	अखंडता	निर्णय लेने की प्रक्रिया में अकादमिक अखंडता बनाए रखना सर्वोपरि है।
Competition	The efficiency of the supply chain delivers success in competition.	Integrity	Maintaining academic integrity in the decision-making process is paramount.



राजभाषा अनुभाग
राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर
वस्त्र मंत्रालय , भारत सरकार

जय हिंद